विज्ञान में स्नातक हेतु प्रारम्भिक (सेतु) कार्यक्रम	कार्यक्रम कोड : बीएससीपी
Bachelor of Science Preparatory (Bridge) Programme	**Programme Code : BSc P**

उद्देश्य (Objectives):

- विज्ञान में ग्यारहवीं कक्षा उत्तीर्ण विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के स्नातक उपाधि कार्यक्रम में प्रवेश के योग्य बनाना।
- उच्च शिक्षा अध्ययन से वंचित विद्यार्थियों को अध्ययन के अवसर उपलब्ध करवाना।

प्रवेश योग्यता (Admission Eligibility):

विज्ञान विषय में किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से ग्यारहवीं कक्षा अथवा किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से हायर सैकण्डरी उत्तीर्ण।

अवधि (Duration) : 1 वर्ष

माध्यम (Medium) : पाठ्य सामग्री केवल हिन्दी में उपलब्ध

श्रेयांक (Credit) : लागू नहीं

शुल्क (Fee) : रूपये 1,000/– (रूपये एक हजार मात्र)

कार्यक्रम संरचना (Programme Structure): इसमें निम्नलिखित तीन पाठ्यक्रम होंगे।

क्र.सं. (S.No.)	पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course)	पाठ्यक्रम कोड (Course Code)
1.	भौतिकी *(Physics)*	बीपीएच *(BPH)*
2.	रसायन विज्ञान *(Chemistry)*	बीसीएच *(BCH)*
3.	जीव विज्ञान अथवा गणित *(Biology or Mathematics)*	बीबीआई अथवा बीएमटी *(BBI or BMT)*

परीक्षा पद्धति (Examination Pattern) :

प्रारम्भिक कार्यक्रम की न्यूनतम अवधि के उपरान्त प्रत्येक पाठ्यक्रम की 3 घण्टे की एक सत्रांत (मुख्य) परीक्षा आयोजित की जायेगी। इस परीक्षा में पाठ्यक्रम बीपीएच, बीसीएच एवं बीबीआई में 50 अंकों की सैद्धान्तिक एवं 50 अंकों की प्रायोगिक परीक्षा होगी। उत्तीर्ण होने के लिए विद्यार्थी को सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक परीक्षाओं में अलग–अलग 36 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य होगा। जबकि बीएमटी के पाठ्यक्रम की परीक्षा 100 अंकों की होगी। उत्तीर्ण होने के लिए विद्यार्थी को न्यूनतम 36 प्रतिशत अंक प्राप्त करना आवश्यक है। यदि कोई विद्यार्थी पहले अवसर पर प्रारम्भिक परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर पाता है तो उसे निर्धारित परीक्षा शुल्क जमा कराने पर परीक्षा में बैठने का एक और अवसर प्रदान किया जायेगा। परीक्षा उत्तीर्ण होने पर विश्वविद्यालय विद्यार्थी को एक प्रमाण पत्र जारी करेगा और यह प्रमाणित किया जायेगा कि वह इस विश्वविद्यालय के बीएससी कार्यक्रम में प्रवेश के लिये योग्य है। विद्यार्थियों को जीव विज्ञान, भौतिक विज्ञान तथा रसायन विज्ञान में प्रायोगिक परीक्षा भी उत्तीर्ण करना अनिवार्य है।

प्रायोगिक (Practical)

प्रायोगिक पाठ्यक्रमों हेतु प्रायोगिक शिविर का आयोजन किया जायेगा। इसमें विद्यार्थी की 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य होगी। प्रति पाठ्यक्रम कुल 10 प्रायोगिक सत्र होंगे। एक सत्र की अवधि $1\frac{1}{2}$ घण्टे (90 मिनट) होगी।

नोट : यह स्पष्ट किया जाता है कि यह परीक्षा मात्र एक प्रवेश परीक्षा है जिसे उत्तीर्ण कर विद्यार्थी केवल इस विश्वविद्यालय के उन पाठयक्रमों में प्रवेश के योग्य माना जाता है जहाँ यह न्यूनतम योग्यता है।